ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-11-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-11-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-11-26	2022-11-27	2022-11-28	2022-11-29	2022-11-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	9.0	9.0	8.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	85	80	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	270	310	320	320	300
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (18-24 नवम्बर, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ कहीं-हींकहीं हीं बादल छायें रहे। अधिकतम तापमान 25.0 से 28.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 8.7 से 10.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 83 से 96 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 38 से 51 प्रतिशत एवं हवा 0.1 से 0.8 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 25.0-26.0 व 8.0-10.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर के दौरान राज्य में वर्षा, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 पेड़ी गन्ना के रस में ब्रिक्स की मात्रा जाचते रहें। जब ब्रिक्स की मात्रा 18 प्रतिशत हो जाय तब नवम्बर माह में मिल से पर्ची आते ही सर्वप्रथम गन्ने की कटाई कर गन्ना मिल में भेजे तथा खाली हुए खेत की तैयारी कर रबी फसलों की समय से बुवाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई रबी फसलों की बुवाई करें व फसलों की बुवाई से पूर्व बीज उपचार अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाहः

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
जौ	सिंचित दशा में जौ की बुवाई पूर्ण करें।
चना	सिंचित दशा में चने की सामान्य बुवाई नवम्बर के दूसरे पखवाड़े में पूरी कर लें। चना की उन्नतशील प्रजातियों -यों यों यों पूसा 256, के0-850, अवरोधी, पंत जी-114, पंत जी-186, पंत काबुली चना-1 आदि की बुवाई सिंचित दशा में 45 से0मी0 की दूरी पर बने लाईनों मे 6-8 से0मी0 गहराई पर करें। बुवाई से पूर्व स्वयं उत्पादित बीजों को बीज जनित रोगों से बचाव हेतु सर्वप्रथम 1 ग्राम कार्बेडाजिम तथा 2 ग्राम थायरम के मिश्रण से शोधित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम कल्चर एवं फास्फोरस घोलक कल्चर से भी उपचारित करें। बुवाई हेतु बीज दर छोटे एवं मध्यम आकार के बीज वाली प्रजातियों के 60-80 कि0ग्रा0/है0 तथा मोटे दाने वाली प्रजातियों के लिए बीज दर 80-100 कि0ग्रा0/है0 रखें। बुवाई से पूर्व खेत में 15-20 कि0ग्रा0 नत्रजन, 40-50 कि0ग्रा0 फास्फोरस तथा 20-30 कि0ग्रा0 पोटाश /है0 प्रयोग करें।
गन्ना	शरदकालीन गन्ना में बुवाई के 25-30 दिन पर निराई-गुड़ाई करें। आवश्यकतानुसार बुवाई के 30-40 दिन बाद सिंचाई करें।
गेहूँ	गेहूँ की बुवाई करें। फसलों की बुवाई से पूर्व बीज उपचार अवश्य करें। गेहूँ के बीज के उपचारित हेतु कार्बोक्सिल 2.5 ग्राम या टेबेकोनाजोल 1 ग्राम या कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन या 50 डब्लू पी) 2.5 ग्राम / प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। गेहूँ की बुवाई के तुरंत बाद या 3 दिन के अंदर उचित नमी की अवस्था में पेन्डीमेथिलीन 30 ईसी की 2.5 से 3.3 लीटर मात्रा को 750 लीटर पानी में घोल बनाकर अथवा बुवाई के 30-35 दिन बाद वेस्टा शाखनाशी की 400 ग्राम दवा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। जिससे एक वर्षीय घासकुल एवं कुछ चैड़ी पत्ति वाले खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सके।
लहसुन	लहसुन की फसल में निराई-गुड़ाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर में उपरी पत्तियॉ सिकुड़ने या चित्तकबरी होने की स्थिति में संक्रमित पौधो कों निकालकर नष्ट कर दे तथा रोगवाहक कीटो के नियंत्रण हेतु किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करे।
गोभी	गोभी वर्गीय सब्जियो में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को हरा चारा में सूखा चारा अवश्य मिलाकर दें। अन्यथा आफरा (टिम्पेती) हो सकती है व पनीले दस्त हो सकते है, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु हो सकती है।